राष्ट्र निर्माण के परिप्रेक्ष्य में डॉ. भीमराव आंबेडकर का योगदान

✍ डॉ. श्रीमति धनेश्वरी दुबे,

प्रस्तावना– डॉ. भीमराव आंबेडकर का जीवन राष्ट्र निर्माण और दीन–दीनों की सेवा के लिए समर्पित था। उनके सामने जहाँ एक तरफ दुखी–पीड़ित लोगों के अधिकारों की रक्षा प्रश्न था, वहीं दूसरी ओर राष्ट्र हित का सतत् संवर्धन भी था। डॉ. आंबेडकर का व्यक्तित्व सिर्फ दलितों तक ही सीमित नहीं था, बल्कि उनका योगदान समुचे भारत के लिए था। वे पूरे भारत के नेता थे। उन्होंने सभी वर्ग के लोगों के हित में काम किया।

राष्ट्र निमार्ण के परिप्रेक्ष्य में डॉ. आंबेडकर का योगदान– डॉ. आंबेडकर ने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है–

1. सामाजिक क्षेत्र में योगदानः–आंबेडकर का सम्पूर्ण जीवन भारतीय समाज में सुधार के लिए समर्पित था। अस्पृश्यों तथा दलितों के वे मसीहा थे। उन्होंने सदियों से पददलित वर्ग को सम्मानपूर्वक जीने के लिए एक सुस्पष्ट मार्ग दिया। उन्हें अपने विरुद्ध होने वाले अत्याचारों, शोषण, अन्याय तथा अपमान से संघर्ष करने की शक्ति दी। उनके अनुसार सामाजिक प्रताड़ना राज्य द्वारा दिए जाने वाले दण्ड से भी कहीं अधिक दुखदाई है। डॉ. आंबेडकर ने समाज सुधार के क्षेत्र में निम्नलिखित प्रयास कियेः–

क. वर्ण व्यवस्था का विरोध– भारतीय आर्यो के सामाजिक संगठन का आधार चतुवर्ण व्यवस्था रहा है। इस आधार पर समाज को अपने कार्य के आधार पर चार भागों में विभाजित कर संकीर्ण और गरिमाहीन

• विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग, शा. ई. वि. स्नात. महा. कोरबा छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

PRINCIPAL,
GOVT. ENGINEER VISHWESARRAIYA
P. G. COLLEGE, KORBA (C. G.)

GOVT. E.V.P.G. COLLEGE KORBA